विषय-सूची

पृष्ठ-संख्या

☆ प्रकाशकीय भूमिका

☆ प्राक्कथन

1. **राजस्थान की भौगोलिक स्थिति और उसका यहाँ की संस्कृति पर प्रभाव :** 1–14

नाम, स्थान और क्षेत्रफल—भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में राजस्थान—झीलें—वन-पशु तथा उपज—वर्षा तथा जलवायु—भौगोलिक स्थिति और संस्कृति पर प्रभाव ।

2. **प्रागैतिहासिक राजस्थान और संस्कृति का प्रारूप :** 15–30

प्राचीन प्रस्तर युग की संस्कृति—नवीन प्रस्तर युग—राजस्थान में धातु-युग का प्रारम्भ—सरस्वती-दृषद्वती सभ्यता—कालीबंगा बनास सभ्यता, आहड़-ताम्रयुगीय एवं राजस्थान के अन्य केन्द्र ।

3. **राजस्थान के राजनीतिक और सांस्कृतिक सोपान :** 31–55

आर्य और राजस्थान के मौलिक सांस्कृतिक संस्पर्श—महाकाव्य-काल और राजस्थान—प्राग् बौद्ध युग से वर्धन-काल का राजस्थान (सातवीं सदी ई.पू. से सातवीं ई.) जनपदों का युग—मौर्य और राजस्थान—गुप्त और वर्धन वंशों के समय का राजस्थान, प्रतिहार-परमार-सोलंकी वंश, चहमान वंश और शाकंभरी के चौहान—रणथम्भौर के चौहान—जालौर के चौहान—गुहिल वंश—हाड़ौती के चौहान—राठौड़ वंश—कछवाह वंश—भाटी वंश—राजनीतिक स्थिति का संस्कृति पर प्रभाव ।

4. **सामाजिक संस्थाएँ और संस्कृति :** 56–75

व्यवस्था—जाति-व्यवस्था—आश्रम-व्यवस्था—संस्कार-सती-प्रथा—जौहर—लोकोत्सव—गणगौर-तीज-होली-दशहरा दीपावली-अन्य उत्सव—सांस्कृतिक मेले—परिवार और नारी ।

5. **राजस्थानी रहन-सहन, मनोरंजन और संस्कृति :** 76–94

भोजन-परिधान—पुरुष परिधान—स्त्री परिधान—केश-विन्यास—स्त्री आभूषण—आमोद-प्रमोद ।

6. **राजस्थान में विविध धर्म और संस्कृतियाँ :** 95–115

धार्मिक संस्कारों का श्रीगणेश—वैदिक धर्म की अविरलता—शैव धर्म—शाक्त सम्प्रदाय—वैष्णव धर्म—प्राचीनकालीन धार्मिक सुधारण और भक्ति-प्रवाह—लोकदेव गोगाजी-तेजाजी-जाम्भोजी-रैदास-मीरांबाई-दादू रामचरणजी-धर्म और सांस्कृतिक एकत्व ।

7. **शिक्षा और साहित्य :** 116–136

घरेलू शिक्षा—गुरुकुल—अन्य शिक्षा के केन्द्र विद्याध्ययन की परिपाटी—स्त्री-शिक्षा—साहित्य सृजन—संस्कृत साहित्य और मेवाड़—राजस्थान के अन्य अंचल का संस्कृत साहित्य—मारवाड़-जांगल-हाडौती-जयपुर-बागड़—राजस्थानी साहित्य—जैन शैली का साहित्य—चारण साहित्य और सन्त साहित्य समीक्षा ।

8. **राजस्थान का स्थापत्य और संस्कृति :** 137–159

बस्तियाँ और स्थापत्य—किलों का स्थापत्य—राजप्रासाद और स्थापत्य—मन्दिरों का निर्माण और स्थापत्य—महासतियाँ ।

9. **मूर्तिकला और संस्कृति :** 160–174

प्राचीन मूर्तिकला—गुप्तकालीन मूर्तिकला—मध्ययुगीय मूर्तिकला—नारी अंकन और मूर्तिकला—राजस्थानी मूर्तिकला की विशेषताएँ ।

10. **चित्रकला और राजस्थान :** 175–196

राजस्थान की चित्रकला का स्वरूप—मेवाड़ और मारवाड़ की शैली—बीकानेर शैली—बूँदी शैली—किशनगढ़ शैली—नाथद्वारा की चित्रकला ।

11. **लोक-संस्कृति :** 197–211

लोकनाट्य—लीलाएँ—रम्मत—ख्याल—गवरी—गैर-नृत्य—गरबा—लोकगीत—लोकवाद्य ।

12. **उपसंहार : राजस्थान की संस्कृति की एक समीक्षा :** 212–225

समन्वय और समाज-सुधार की प्रवृत्तियाँ—सूफी मत और अन्य सुधार आन्दोलन—दयानन्द आदि का योगदान—राजस्थान में संस्कृति के अध्ययन के प्रयास ।

☆ नामानुक्रमणिका 226–241

☆ सहायक सामग्री व ग्रन्थों की सूची 242–248

□□□